

## असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—एण्ड 3—उप-एण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 551]

No. 551]

मई विल्ली, शुक्रवार, विसम्बर 11, 1981/श्रप्रहायण 20, 1903

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 11, 1981/AGRAHAYANA 20, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अक्षण संकल्प के रूप में रखा जा सब

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आहेश

नई विल्ली, 11 विसम्बर, 1981

का० का० 894 (का).— चीनी उपक्रम (प्रवस्थ ग्रहण) प्रध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की घारा 5 की उपभारा (2) के खण्ड (ख) के घधीन राजस्थान राज्य के बूबी जिले में केशोरायपाटन स्थित चीनी का विनिर्माण कर रही थी केशोरायपाटन सहकारी चीनी मिल्म लिमिटेड का प्रवन्ध, भारत सरकार के भूनपूर्व कृषि घीर सिचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) के धावेण सं० का० आ० 704 (म), नारीख 8 विसम्बर, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पण्चान् उक्त धावेण कहा गया है) 13 विसम्बर, 1978 से प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की भवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहन कर दिया गया था ,

श्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह सभीचीन है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध 12 विसम्बर, 1984 श्रीर इस शारीख को सम्मिलित करते हुए तीन वर्ष की श्रीर श्रवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित बना रहेगा,

धनः केन्द्रीय सरकार चीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रह्ण) भश्विनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 3 की उपधारा (5) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध 12 दिसम्बर, 1984 तक भीर इस तारीख को सम्मिलित करते हुए, तीन वर्ष की भीर भवधि के लिए केन्द्रीय संस्कार में निहित बना रहेगा।

[सं॰ 1-9/81-एन॰एस॰यू॰]

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

**ORDERS** 

New Delhi, the 11th December, 1981

S.O. 894(É).—Whereas by the Order of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food), No. S.O. 704(E), dated the 8th December, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the Shri Keshoraipatan Sahkari Sugar Mills Limited, manufacturing sugar at Keshoraipatan in the iDstrict of Bundi in the State of Rajasthan was vested in the Central Government under clause (b) of sub-section (2) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978), for a period of three years commencing on and from the thirteenth day of December, 1978;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said sugar undertaking shall continue to vest in the

1069 GI/81 (1551)

Central Government for a further period of three years up to and inclusive of the twelfth day of December, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby directs that the management of the said sugar undertaking shall continue to vest in the Central Government for a further period of three years up to and inclusive of the twelfth day of December, 1984.

[F. I-9/81-NSU (A)]

कां आं 895 (म्र)— चीनी उपश्रम (प्रबन्ध ग्रहण) श्रध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) महाराष्ट्र राज्य के बुल्दाना जिले में शंकरनगर स्थित चीनी का विनिर्माण कर रही जीजामाता सहकारी शक्कर कारखाना लिमिटेड का प्रबन्ध, भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि भौर सिंचाई मंत्र।लय (खाद्य विभाग) के आदेश सं का बाठ 705 (म्र), तारीख 8 दिसम्बर, 1978 द्वारा जिसे इसमें इसके परचात् उपन मादेश कहा गया है ) 13 दिसम्बर, 1978 से प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की मर्वधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित कर दिया गया था ;

श्रीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीवीन है कि उक्त चीनी उपत्रम का प्रबन्ध 12 दिसम्बर, 1984 श्रीर इस तारीख को सम्मिलित करते हुए तीन वर्ष की श्रीर श्रवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित बना रहेगा ;

मतः केश्वीय सरकार भीनी उपक्रम (प्रबन्ध ग्रहण) श्रीधिनयम, 1978 (1978 का 49) की धारा 3 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त मिनतयों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध 12 विसम्बर, 1984 तक भीर इस तारीख को सिम्मिलत करते हुए, तीन वर्ष की भीर ग्रविध के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित बना रहेगा।

[सं॰ 1-9/81-एन॰ एम॰ **पृ**०]

S.O. 895(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the crstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food), No. S.O. 705(E), dated the 8th December, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the Jijamata Sahkari Sakhari Karkhana Ltd., manufacture sugar at Shankarnagar in the District of Buldana in the State of Maharashtra was vested in the Central Government under clause (b) of sub-section (2) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978), for a period of three years commencing on and from the thirteenth day of December, 1978;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said sugar undertaking shall continue to vest in the Central Government for a further period of three years up to and inclusive of the twelfth day of December, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby directs that the management of the said sugar undertaking shall continue to vest in the Central Government for a further period of three years up to and inclusive of the twelfth day of December, 1984.

[F. 1-9/81-NSU (B)]

का० आ० 896 (क्र) .-- चीनी उपक्रम (प्रघथ्य ग्रहण) फ्रध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की घारा 3 की उपधारा (3) उत्तर प्रदेश राज्य के वेवित्या जिले में देवेरिया स्थित, चीनी का विनिर्माण कर रही, वेवित्या चीनी मिल्स लिमिटेड, का प्रबच्ध भारत मरकार के भूतपूर्व कृषि और सिचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) के ध्रादेश सं० का आ० 277 (क्र), तारीख 26 विसम्बर, 1978 होरा (जिसे इसमें इसके

पश्चात् उक्त भादेण कहा गया है) 27 दिसम्बर, 1978 से प्रारम्भ होने वाली सीन वर्ष की भ्रवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निर्हित कर दिया गया था;

भीर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रवन्ध 26 दिसम्बर, 1984 और इस सारीख को सम्मिलित करने हुए तीन वय की भीर अवधि के लिए केन्द्रीय मरकार में निहित बना रहेगा;

भ्रतः केन्द्रीय सरकार बीनी उपत्रम (प्रबन्ध ग्रहण) श्रिधिनियम, 1978 (1978 का 49) की घारा 3 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त मिन्सियों का अयोग करने हुए, यह निवेश देती हैं कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध 26 विसम्बर, 1984 तक भ्रीर इस मारीख को सम्मिलन करते हुए, तीन वर्ष की भ्रीर भ्रविध के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित बना रहेगा।

[सं० 1-9/81-एन० एस० यू०]

S.O. 896(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. S.O. 727(E), dated the 26th December, 1978 (hereinafter referred to as the said Order) the management of the Deoria Sugar Mills Limited manufacturing sugar at Deoria in the District of Deorla in the State of Uttar Pradesh was vested in the Central Government under sub-section (3) of section 3 of the Sugar Underakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978), for a period of three years commencing on and from twenty-seventh day of December, 1978;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the Management of the said sugar undertaking shall coninue to vest in the Central Government for a further period of three years up to and inclusive of the twenty-sixth day of December, 1984.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978), the Central Government hereby directs that the management of the said sugar undertaking shall continue to vest in the Central Government for a further period of three years up to and inclusive of the twenty-sixth day of December, 1984.

[F. No. 1-9/81-NSU (C)]

का० आ० 897(ध):— चीनी उपक्रम (प्रबन्ध प्रहुण) प्रध्यादेश, 1978 (1978 का 5) की धारा 3 की उपधारा (3) उत्तर प्रदेश राज्य के देवरिया जिले में जैतालपुर स्थित, कीनी का विनिर्माण कर रही, श्री सीता राम शुगर कम्पनी लिमिटेड का प्रवन्ध, भारत सरकार के भूतपूर्व कृषि भौर सिंचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) के घादेश स० का० घा० 726(ध), तारीख 26 दिसम्बर, 1978 हारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त घादेश कहा गया हैं) 27 दिसम्बर, 1978 से प्रारम्भ होने वाली तीन वर्ष की भ्रवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित कर दिया गया था;

भौर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त चीनी उपक्रम का प्रबन्ध 26 दिसम्बर, 1984 भौर इस तारीख़ को सम्मिलित करते हुए तीन वर्ष की भौर भ्रवधि के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित बना रहेगा ;

भतः भेरदीय सरकार घीनी उपकम (प्रबंध ग्रहण) अग्रिनियम, 1978 (1978 का 49) की धारा 3 की उपधारा (5) द्वारा प्रवत्त मित्रियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त चीनी उपकर का प्रवन्ध 26 दिसम्बर, 1984 तक और इस तारीख को सम्मिलित करते हुए, सीन वर्ष की धौर सर्वाध के लिए केन्द्रीय सरकार में निहित बना रहेगा।

[सं० 1-9/81- एन० एस० यू०] सी० एम० राघवन, संयुक्त सचिव S.O. 897(E).—Whereas by the Order of the Government of Isadia in the erstwhile Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. S.O. 726(E), dated the 26th December, 1978 (hereinafter) referred to as the said Order), the management of the Shree Sitaram Sugar Co. Ltd., manufacturing sugar at Baitalpur in the District of Deoria in the State of Uttar Pradesh was vested in the Central Government under sub-section (3) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Ordinance, 1978 (5 of 1978), for a period of three years commencing on and from the twenty-seventh day of December, 1978;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the manage-

ment of the said sugar undertaking shall continue to vest in the Central Government for a further period of three years up to and inclusive of the twenty-sixth day of December, 1984.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 3 of the Sugar Undertakings (Taking Over of Management) Act, 1978 (49 of 1978) the Central Government hereby directs that the management of the said sugar undertaking shall continue to vest in the Central Government for a further period of three years up to and inclusive of the twenty-sixth day of December, 1984.

[F. No. 1-9/81-NSU/D] C. N. RAGHAVAN, Jt. Secy.